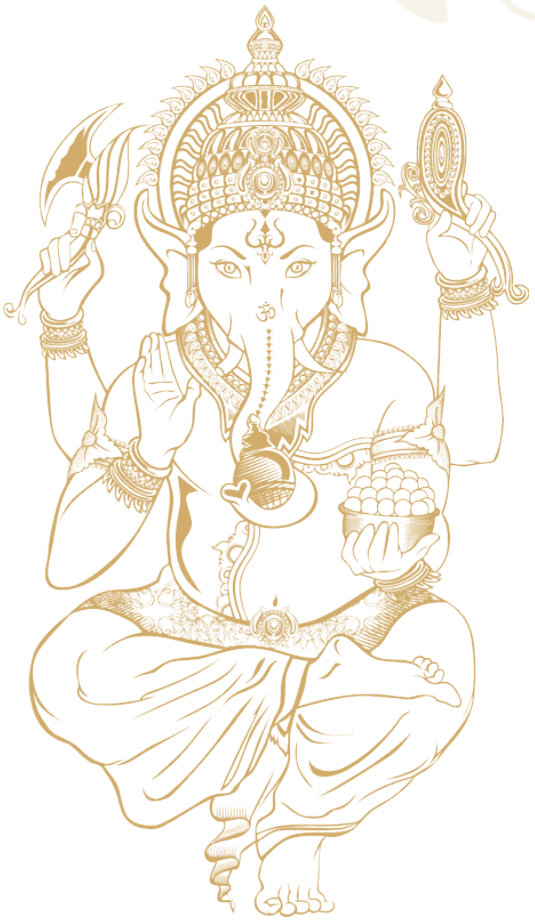

Maynk

27 Jun 2009

10:43 AM

Dewas

Model: web-freekundliweb

Order No: 121713704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/06/2009**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:43:00 घंटे**
इष्ट	12:30:28 घटी
स्थान	**Dewas**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:59:00 उत्तर
रेखांश	76:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:17:12 घंटे
वेलान्तर	-00:03:03 घंटे
साम्पातिक काल	04:39:00 घंटे
सूर्योदय	05:42:48 घंटे
सूर्यास्त	19:14:47 घंटे
दिनमान	13:31:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:42:38 मिथुन
लग्न के अंश	17:25:37 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	17:25:37	329:15:12	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			मिथु	11:42:38	00:57:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			सिंह	12:48:41	14:10:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मेष	25:22:38	00:43:19	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			वृष	23:43:37	01:42:25	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	02:47:48	00:02:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मेष	27:14:33	01:03:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			सिंह	22:19:54	00:03:58	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु			मक	06:24:08	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	06:24:08	00:01:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मीन	02:37:18	00:00:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	02:15:53	00:00:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	07:53:31	00:01:33	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	17:18:37	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:37

लग्न-चलित

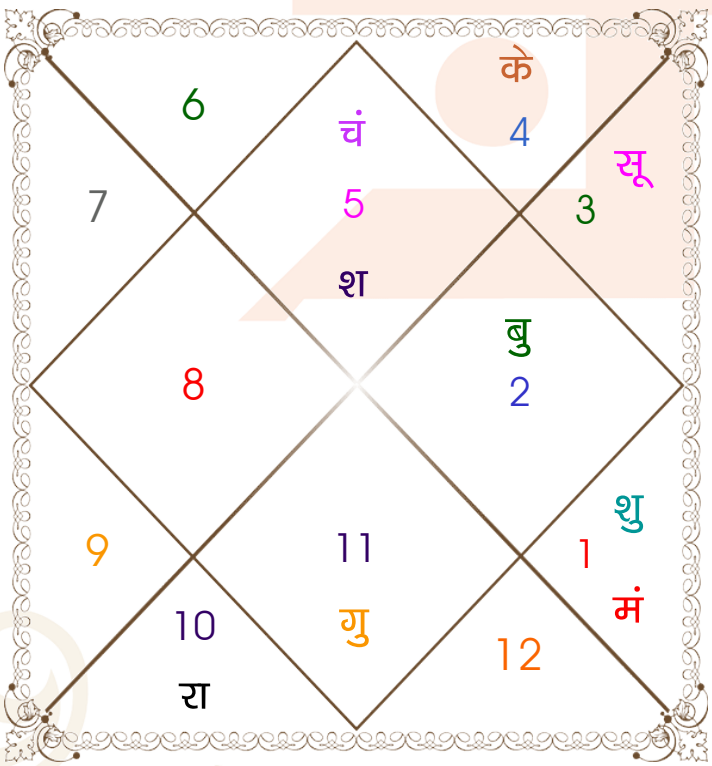

चन्द्र कुंडली

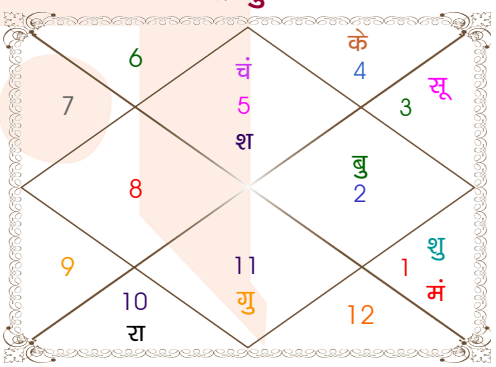

नवमांश कुंडली

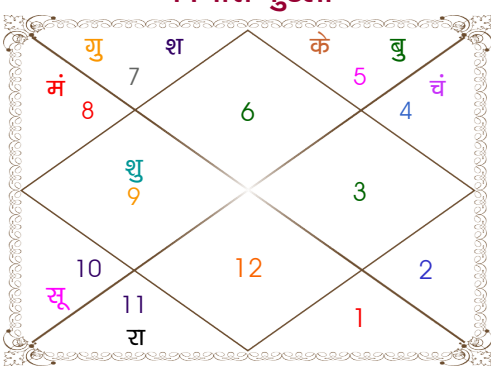

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/06/2009		05/10/2009		05/10/2029		06/10/2035		05/10/2045	
05/10/2009		05/10/2029		06/10/2035		05/10/2045		05/10/2052	
	00/00/0000	शुक्र	04/02/2013	सूर्य	23/01/2030	चंद्र	05/08/2036	मंगल	03/03/2046
	00/00/0000	सूर्य	04/02/2014	चंद्र	24/07/2030	मंगल	06/03/2037	राहु	22/03/2047
	00/00/0000	चंद्र	06/10/2015	मंगल	29/11/2030	राहु	05/09/2038	गुरु	26/02/2048
	00/00/0000	मंगल	05/12/2016	राहु	24/10/2031	गुरु	05/01/2040	शनि	05/04/2049
	00/00/0000	राहु	05/12/2019	गुरु	11/08/2032	शनि	05/08/2041	बुध	03/04/2050
	00/00/0000	गुरु	05/08/2022	शनि	24/07/2033	बुध	05/01/2043	केतु	30/08/2050
	00/00/0000	शनि	05/10/2025	बुध	30/05/2034	केतु	06/08/2043	शुक्र	30/10/2051
	27/06/2009	बुध	05/08/2028	केतु	05/10/2034	शुक्र	05/04/2045	सूर्य	06/03/2052
बुध	05/10/2009	केतु	05/10/2029	शुक्र	06/10/2035	सूर्य	05/10/2045	चंद्र	05/10/2052

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/10/2052		05/10/2070		05/10/2086		06/10/2105		06/10/2122	
05/10/2070		05/10/2086		06/10/2105		06/10/2122		28/06/2129	
राहु	18/06/2055	गुरु	22/11/2072	शनि	08/10/2089	बुध	04/03/2108	केतु	04/03/2123
गुरु	11/11/2057	शनि	06/06/2075	बुध	17/06/2092	केतु	01/03/2109	शुक्र	04/05/2124
शनि	17/09/2060	बुध	11/09/2077	केतु	27/07/2093	शुक्र	31/12/2111	सूर्य	08/09/2124
बुध	06/04/2063	केतु	18/08/2078	शुक्र	26/09/2096	सूर्य	05/11/2112	चंद्र	09/04/2125
केतु	23/04/2064	शुक्र	18/04/2081	सूर्य	08/09/2097	चंद्र	07/04/2114	मंगल	06/09/2125
शुक्र	24/04/2067	सूर्य	04/02/2082	चंद्र	09/04/2099	मंगल	04/04/2115	राहु	24/09/2126
सूर्य	18/03/2068	चंद्र	06/06/2083	मंगल	19/05/2100	राहु	21/10/2117	गुरु	31/08/2127
चंद्र	17/09/2069	मंगल	12/05/2084	राहु	26/03/2103	गुरु	27/01/2120	शनि	09/10/2128
मंगल	05/10/2070	राहु	05/10/2086	गुरु	06/10/2105	शनि	06/10/2122	बुध	28/06/2129

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।